विद्या आश्रम

कार्यकारिणी की बैठक

9 नवम्बर, 2017

कार्यवाही

विद्या आश्रम परिसर पर गुरूवार, 9 नवम्बर 2017 को विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक हुई। समन्वयक चित्रा सहस्रबुद्धे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में चर्चा का मुख्य संदर्भ किसान संगठनों और किसानों के मित्र संगठनों ने किसान समाज की दुर्दशा और बदहाली को लेकर देशभर में जो हलचल पैदा की है, वह था। लोकविद्या आन्दोलन शुरू से किसान–समाज और किसान आन्दोलन के साथ है। किसानों की आवाज़ को बुलंद करने के लिये हम लोकविद्या जन आन्दोलन के ब्लाग, फेसबुक, और कारीगर नजरिया के जरिये से भी सामने लाते रहे हैं और हाल ही में 29 अक्टूबर को वाराणसी में हुई किसान कारीगर पंचायत से इस आवाज़ को संगठित स्वर में सामने लाया है। बैठक की कार्यवाही नीचे दी जा रही है।

उपस्थित सदस्य : प्रेमलता सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, चित्रा सहस्रबुद्धे। अप्रैल में हुई दुर्घटना के चलते एहसान अली अभी चलने–फिरने की स्थिति में नही हैं, लिहाज़ा उनसे फोन पर सम्पर्क बनाये रखने की सुविधा उपलब्ध की गई। वाराणसी से बाहर रहने वाले सदस्यों से सुझाव और विचार पहले ही मांग लिये गये थे ताकि बैठक में रखे जा सके।

- बैठक में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक, उडिसा, उत्तरप्रदेश, पंजाब और हरियाणा में किसानों के साथ हो रही ज्यादतियों और उनपर पुलिस द्वारा की गई हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जाहिर की गई। मध्यप्रदेश में पुलिस की गोली से 11 किसानों की मौत हो गई और सरकारों का नजरिया किसानों के प्रति आक्रामक ही है। लोकविद्या आन्दोलन समाज में किसानों के ज्ञानपूर्ण महायोगदान को सामने लाकर इस बात का अलख जगाने का आन्दोलन है कि हर किसान और कारीगर के घर में संरकारी कर्मचारी के बराबर आय हो ऐसी नीतियां सभी सरकारे बनायें और लागू करें। इससे ही किसान और कारीगर परिवार खुशहाल होंगे और देश भी खुशहाल होगा।
- 29 अक्टूबर को वाराणसी में हुई किसान कारीगर पंचायत की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि स्थानीय किसान–समाज के कई लोगों ने 'हर किसान और कारीगर के घर में संरकारी कर्मचारी के बराबर आय हो ऐसी नीतियां सभी सरकारे बनायें' इस मुद्दे को अलग अलग कोणों से बहुत ही सफाई के साथ सभा में रखा। शहर से आये सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी खुलकर समर्थन किया। इसलिये इस कार्यकारिणी बैठक में किसान कारीगर पंचायत को अधिक प्रभावी बनाने पर विचार हुआ। बिहार, उडिसा और झारखण्ड़ में ऐसी पंचायतों को करने की संभावनाओं पर भी बात हुई। यह बात हुई कि आज की राजनीति और राजनैतिक विचार में किसान और कारीगरों के लिये न्याय का विचार ही नही है। ऐसे में आज के संदर्भ में किसान–समाज, गाँव और स्वराज के विचारों को अधिक गहराई के साथ सोचने, समझने और उसके पुनर्निर्माण के रास्ते खोजने की आवश्यकता है। इसके लिये यात्राओं को संगठित करने की जरूरत है, किसानों और कारीगरों के नजरिये को सार्वजनिक करने और राजनैतिक व दार्शनिक बहसों का अंग बनाने के प्रयास तेज करने होंगे। लेखन और प्रकाशन के कार्य तथा इन्टरनेट पर भागीदारी बढ़ाकर भी इसे करना होगा।

- भीम आर्मी के नेता की जेल में हुई मार पर चिंता प्रकट की गई। जगह–जगह पर सरकारों के द्वारा जनविरोध को कुचलने की घटनाओं ने सामाजिक कार्यकर्ता के सामने किसतरह की चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, इस पर सभी ने अपने विचार रखे।
- बैठक को यह अवगत कराया कि इस वर्ष स्वराज पुस्तकमाला के तहत विद्या आश्रम वाराणसी से एक हिन्दी पुस्तिका का प्रकाशन हुआ है। हैदराबाद से दो पुस्तिकायें हिन्दी, तेलुगु और अंग्रेजी में प्रकाशित की जायेगी ऐसी खबर है।
- बैठक में यह रखा गया कि कारीगर नज़रिया के नाम से फेसबुक अकाउण्ट बनाया गया है। इसे सक्रिय करने की जरूरत है और कारीगर नजरिया से जुड़े कार्यकर्ता इस पर लिखने की पहल लें।
- आश्रम भवन में कई स्थानों पर मरम्मत की आवश्यकता है। विशेष रूप से छत में कई जगह दरारें हो गई है और उसकी मरम्मत होनी चाहिये। बिजली के तारों को सुव्यवस्थित करने की जरूरत है। परिसर में पिछले हिस्से तक ले जाये गये बिजली के तार आंधी–पानी में कमजोर हो गये है। परिसर के सामने के हिस्से में यूकेलिप्टस का पेड़ बहुत ऊँचा हो गया है और भवन के लिये खतरा बन गया है। इसे हटाने की या अत्यधिक छांटने की जरूरत है। इन सभी कार्यों का एक बजट बनाने और उसके अनुरूप कार्य करवाने पर सहमति बनी।
- बैठक के अंत में बंगलुरू में जून 2017 में स्थापित लोकविद्या वेदिके की गतिविधियों की जानकारी रखी गई और बैठक समापित हुई।

•